इंडिया टुडे

डॉट कॉम क्वींस

इन महिला उद्यमियों ने ऑनलाइन शॉपिंग एक्सपीरियंस को एक नया अंदाज देने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी है

■ लिप्ला नेगी

इसमें कोई शक नहीं कि शॉपिंग औरतों की जिंदगी का एक अहम और अनिवार्य हिस्सा है. यह भी है कि वे कितनी ही चीजें क्यों न खरीद लें, दुकानों पर एक और नजर डालने की प्यास जस-की-तस बनी रहती है. कुछ औरतें ऐसी भी हैं जिन्होंने अपने अंदर धड़कते इस अहसास की तुष्टि के लिए अलग ही दिशा तलाश ली है—तेजी से उभरती ई-कॉमर्स की दुनिया में बतौर उद्यमी उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करवा दी है. ये युवा उद्यमी अनोखे और नए विचारों के साथ ऑनलाइन शॉपिंग की हमारी शैली को बदल रही हैं. व्यवस्थित ढंग से काम करने की जन्मजात खासियत, मैनेजमेंट स्किल और फैशन के मामले में अपनी सहज सूझ-बूझ के सहारे उन्होंने देश के सामने ऑनलाइन शॉपिंग की एक नई परिभाषा रखी है. आइए रू-ब-रू होते हैं ऐसी ही कुछ महिला उद्यमियों से.

आपका ध्यान खींचने के लिए सस्ती डील से बेहतर और कोई चीज नहीं है. जितना बड़ा डिस्काउंट उतने ही बेकरार खरीदार. जब अनीषा ने पढ़ा कि चीन में टीवी पर डिस्काउंट का फायदा उठाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं तो उन्हें इसमें एक बेहतरीन मौका दिखा. इससे प्रेरित होकर उन्होंने 2009 में mydala.com की बुनियाद रखी ('दल' का मतलब है 'समूह'). यह ऐसा मंच है जिस पर सोशल मीडिया के जरिए छोटे से बड़े कारोबारियों को अतिरिक्त खर्च किए बगैर अपने सामान की मार्केटिंग करने का मौका मिलता है. लुभावने सौदों और कस्टमाइज्ड सर्च के साथ यह ग्राहकों को अपने स्मार्ट फोन से खरीदारी की सुविधा भी मुहैया कराता है. यह पोर्टल छोटे से कमरे में शुरू किया गया था. आज इसके साथ 1 लाख व्यापारी जुड़ चुके हैं और यह संख्या बढ़ती ही जा रही है. इस पोर्टल की 35 वर्षीया संस्थापक और सीईओ अनीषा सिंह का कहना है, ''टीम बनाना और व्यापारियों को अपने साथ जोड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी.'' उनके अनुसार 'मोबाइल इंटरनेट' इस क्षेत्र में क्रांति ला देगा और इसकी लोकप्रियता में चार चांद लगा देगा.